हिन्दी विभाग

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी विभाग की ओर से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। हिन्दी साहित्य मंडल द्वारा आयोजित पहला कार्यक्रम दि. २९ जून २०१२ को पाठ्यक्रम में निर्धारित हिन्दी लघुफिल्म 'कफन' के प्रदर्शन से आरंभ हुआ। विभाग द्वारा आयोजित दूसरे कार्यक्रम में दि २७ जुलाई २०१२ को 'अन्तर्जाल और हिन्दी' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमे अग्रवाल महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष मिश्र जी को अतिथि के रुप में आमंत्रित किया गया।

सितंबर माह में सांस्कृतिक आदान प्रदान कार्यक्रम के तहत जापान के क्योटो सांग्यो विश्वविद्यालय से आये हुए छात्रों के लिए पंद्रह दिनों का 'हिन्दी भाषा एवं साहित्य' अध्यापन कार्यक्रम संपन्न किया गया।

इस वर्ष अगस्त माह से 'सरल हिन्दी पाठ्यक्रम' की कक्षाएं आरंभ की गयी। ०८ जनवरी २०१३ को हिन्दी विभाग का तीसरा कार्यक्रम 'सरल हिन्दी पाठ्यक्रम' के उद्घाटन से हुआ जिसमें हिन्दुस्तानी प्रचार सभा के मानद सचिव श्री फिरोज पैच और मानद शोध निर्देशक डॉ. सुशीला गुप्ताजी एवं मानद सदस्य श्री. सुधाकर मिश्र उपस्थित थे। इस अवसर पर उन्होंने सभी छात्रों को तीन-तीन पुस्तकें भेट प्रदान की। हिन्दी विभाग ने चतुर्थ कार्यक्रम में दि. २८ जनवरी २०१३ को हिन्दुस्तनी प्रचार सभा एवं हिन्दी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'स्त्रियों को बेहतर सुरक्षा कैसे दी जाए' इस विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें महाविद्यालय के अहिन्दी भाषी छात्रों के साथ सभी छात्रों ने हिस्सा लिया। प्रथम पुरस्कार की राशी रु. ३००० द्वितीय पुरस्कार की राशि रु.२००० एवं तृतीय पुरस्कार की राशि रु.१५०० रखी गयी थी। जिसमें क्रमशः मधुमंती बागची को प्रथम ज्योति दुबे को द्वितीय एवं कप्तान कुशवाह को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ एवं सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागी प्रमाणपत्र भी प्रदान किया गया।

जपान के क्योटो सांग्यो विश्वविद्यालय के छात्रों को हिन्दी पढाने हेतु समन्वय की भूमिका हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रा. अनिल ढवळे ने अदा की। पाठ्यक्रम पर आयोजित सिनेमा का प्रदर्शन किया गया। जिसमें 'मैं सावरकर बोल रहा हूँ' इस पुस्तक पर पी पी टी प्रस्तुतिकरण किया गया। प्रा. अनिल ढवळे ने एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. रामविलास शर्मा जी पर प्रपत्र प्रस्तुत किया।

इस वर्ष 'राष्ट्रभाषा संदेश' पत्रिका में विभाग की सहायक प्रा. डॉ. जयश्री के दो आलेख 'विष्णु प्रभाकर के नाटकों में मानवतावाद' तथा 'हिन्दी भाषा का आंतरराष्ट्रीय स्वरुप' प्रकाशित हुये। विल्सन महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक में आदिवासी विमर्श पर लिखा गया आलेख 'आदिवासी लोगगीतों मे जीवन दर्शन' प्रकाशित हुआ। आकाशवाणी से 'हिन्दी दिवस का महत्व' तथा 'सुरेन्द्र वर्मा के नाटकों का संदेश' इन दो विषयों पर वार्ता का प्रसारण हुआ। झुनझुनवाला महाविद्यालय में 'भारतीय सौन्दर्य शास्त्र और तुलसीदास एक अनुशीलन' एवं बिडला महाविद्यालय में 'कृष्णा अग्निहोत्री की आत्मकथा और औरत का अनुशीलन' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया। इस वर्ष से उन्हें मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा स्नातकोत्तर कक्षाओं को पढ़ाने की अनुमति प्रदान की गयी। अकादमीक सारे कार्य समय पर पूर्ण किये गये। अगले वर्ष के तैयारी में विभाग जुट गया है।

आपसी आदान-प्रदान कार्यक्रम / सहमति ज्ञापन

इस वर्ष जापान के कोटयो सांग्यो विश्वविद्यालय से छात्रों का एक दल सांस्कृतिक सहमति ज्ञापन के तहत विद्या प्रसारक मंउल के ब्रिम्स में हिन्दी भाषा एवं योग सीखने हेतु पधारे थे। कुल पंद्रह दिनों का कार्यक्रम बनाया गया जिसकी शुरुवात सुबह योग से होती थी। उसके पश्चात् वे नास्ता लेकर हिन्दी कक्षा में बैठकर हिन्दी भाषा बोलना लिखना एवं पढ़ना सीखते थे। इस कार्यक्रम में उन्हें अंग्रेजी भाषा भी सीखायी गयी। उनके दल के साथ सांस्कृतिक विभाग के प्रो. डॉ. यानो भी थे जो सुबह से शाम तक छात्रों के साथ ही कक्षाओं में उपस्थित रहते थे। इस दल में कुल तेरह छात्रों में चार छात्र एवं नौ छात्राएं सहभागी हुई। इन छात्रों के नाम हैं ओकाइ हिरोताका काबासाकी शोता तबाता तात्स्की मोरीशिगे त्थक्मा कोन्डो यूकी ओहगासी हिसाय तोयोकावा हारुमी निशिकुरा सेहा योशिदा युइका योशिदा रिए शिबुआ साची शिंके योशिनों और मियाता इरिका।

इस कार्यक्रम में जोशी बेडेकर महाविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रा अनिल ढवळे एवं प्रा डॉ जयश्री सिंह ने कुल बीस घटों की अध्यापन की कक्षाएं ली। छात्रों को हिन्दी सिखाने के सरलतम तरीके अपनाते हुए भाषा की दृष्टि से अक्षर ज्ञान वर्णमाला मात्राएं संज्ञा सर्वनाम इत्यादि के साथ कबीर तुलसी की रचनाएं तथा तीज त्याहारों का परिचय कराया गया। इसके साथ ही हिन्दी साहित्य पर बनी लघुफिल्मों का भी प्रदर्शन किया गया।

इस कार्यक्रम के तहत दो बार शैक्षणिक यात्राओं का आयोजन किया गया। एक यात्रा मुंबई दर्शन एवं दूसरी यात्रा कान्हेरी गुफाओं की करायी गयी।

१४ सितंबर २०१२ के दिन उनका बिदाई समारोह रखा गया जिसमें छात्रों को प्रमाणपत्र प्रदान किये गये। बिदाई के दिन छात्रों की आंखे नम हुई और दुबारा आने के संकल्प से वे अपने देश को रवाना हुए।

सरल हिन्दी पाठ्यक्रम का उद्घाटन

थाने के जोशी बेडेकर महाविद्यालय में 'हिन्दुस्तानी प्रचार सभा' द्वारा चलाये जा रहे 'सरल हिन्दी पाठ्यक्रम' का उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। महाविद्यालय के हिन्दी विभाग ने इस वर्ष से बी. एम. एम. एवं बी. एम. एस. के छात्रों के लिए सरल हिन्दी पाठ्यक्रम की कक्षाएं प्रारंभ कर दी है। ८ जनवरी २०१३ के दिन कात्यायन सभागार में सरल हिन्दी पाठ्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर हिन्दुस्तानी प्रचार सभा के ट्रस्टी मानद सचिव श्री फिरोज पैच जी, प्रबंध समिती के सदस्य श्री सुधाकर गुप्ता जी एवं हिन्दुस्तानी प्रचार सभा की मानद शोध निदेशक डॉ. सुशीला गुप्ताजी बी. एम. एस. विभाग संयोजक प्रा. दीपक मुर्डेश्वर, बी. एम. एम. विभाग संयोजक प्रा. नम्रता श्रीवास्तव, हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रा. अनिल ढवळे एवं अध्यक्ष पद पर उप प्राचार्या प्रा. मोनिका देशपांडे जी सुशोभित हुई। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापिका डॉ. जयश्री सिंह ने किया। महाविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, सहयोगी प्राध्यापकों के साथ ही छात्रों की उपस्थिति में पूर्ण उत्साह के साथ सरल हिन्दी कक्षा का उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर श्री फिरोज पैच जी ने छात्रों को हिन्दी अध्ययन के लिए प्रोत्साहित किया? श्री सुधाकर गुप्ता जी ने एवं डॉ. सुशीला गुप्ता जी ने अपने वक्तव्य में छात्रों का मार्गदर्शन किया एवं संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी के अध्ययन एवं उपयोजन के रूप में हिन्दी के प्रचार - प्रसार का संदेश दिया। इस पाठ्यक्रम को प्रारंभ करने के लिए महाविद्यालय की छात्रप्रिय प्राचार्या डॉ. शंकुतला ए. सिंह जी का विशेष योगदान है। उन्होंने सरल हिन्दी के पाठ्यक्रम को भविष्य में भी जारी रखने का आशिर्वाद प्रदान किया। उद्घाटन समारोह बड़े ही हर्षोल्हास के साथ संपन्न हुआ। आभार डॉ. जयश्री सिंह ने ज्ञापित किया।

प्रा. अनिल ढवळे
हिन्दी विभाग